ॐ

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-अष्टम विषय-हिन्दी व्याकरण

कारक

दिनांक—11/10/2020

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!

<u>एन सी इ आर टी पर आधारित</u>

कारक

संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से वाक्य के अन्य शब्दों के साथ उनका (संज्ञा या सर्वनाम का) सम्बन्ध सूचित हो, उसे (उस रूप को) '**कारक**' कहते हैं।

दूसरे शब्दों में- संज्ञा अथवा सर्वनाम को क्रिया से जोड़ने वाले चिह्न अथवा परसर्ग ही कारक कहलाते हैं।

जैसे- "रामचन्द्रजी ने खारे जल के समुद्र पर बन्दरों से पुल बँधवा दिया।"
~~~~~~~~~~

इस वाक्य में 'रामचन्द्रजी ने', 'समुद्र पर', 'बन्दरों से' और 'पुल' संज्ञाओं के रूपान्तर है, जिनके द्वारा इन संज्ञाओं का सम्बन्ध 'बँधवा दिया' क्रिया के साथ सूचित होता है।

श्रीराम **ने** रावण **को** बाण **से** मारा
इस वाक्य में प्रत्येक शब्द एक-दूसरे से बँधा है और प्रत्येक शब्द का सम्बन्ध किसी न किसी रूप में क्रिया के साथ है।

कारक के भेद-

हिन्दी में कारकों की संख्या आठ है-
(1)कर्ता कारक

(2)कर्म कारक

(3)करण कारक
(4)सम्प्रदान कारक

(5)अपादान कारक

(6)सम्बन्ध कारक

(7)अधिकरण कारक

(8)संबोधन कारक

धन्यवाद

कुमारी पिंकी “कुसुम”